भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

18.12.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 334 का उत्तर

होसुर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

***334. श्री के. गोपीनाथ:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास जोलारपेट या धर्मपुरी से होते हुए होसुर और कृष्णागिरी के बीच नई रेल लाइन के निर्माण का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ होसुर रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए कोई कदम उठाया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार की होसुर स्टेशन को दक्षिण रेलवे के सेलम डिवीजन में अंतरित करने की कोई योजना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 18.12.2024 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 334 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (च): रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, व्यापार व पर्यटन सहित सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 33,467 करोड़ रुपए की लागत की 2,587 किलोमीटर कुल लंबाई वाली 22 रेल परियोजनाएं (10 नई लाइनें, 03 आमान परिवर्तन और 09 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से 665 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 7,153 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	कमीशन की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	10	872	24	1223
आमान परिवर्तन	3	748	604	3267
दोहरीकरण/मल्टी ट्रैकिंग	9	967	37	2664
कुल	22	2587	665	7153

तमिलनाडु राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रुपए प्रति वर्ष
2024-25	6,362 करोड़ रुपए (7 गुना से अधिक)

यद्यपि निधि आबंटन में कई गुना वृद्धि हुई है लेकिन परियोजना के निष्पादन की गति शीघ्र भूमि अधिग्रहण पर निर्भर करती है। रेलवे राज्य सरकार के माध्यम से भूमि का अधिग्रहण करती है और रेल परियोजना का पूरा होना भूमि अधिग्रहण पर निर्भर करता है। बहरहाल, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन भूमि अधिग्रहण में विलंब होने के कारण रुका पड़ा है। तमिलनाडु राज्य में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार हैः

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल भूमि की आवश्यकता	3389 हेक्टेयर
अधिगृहीत भूमि	866 हेक्टेयर (26%)
अधिग्रहण के लिए शेष भूमि	2523 हेक्टेयर (74%)

भारत सरकार परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए तैयार है, तथापि सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, कुछ प्रमुख परियोजनाएं जो भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई हैं, का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)	अधिगृहीत भूमि (हेक्टेयर में)	अधिग्रहण के लिए शेष भूमि (हेक्टेयर में)
1.	टिण्डीवनम-तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	273	33	240
2.	अत्तिपट्टु-पुत्तूर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पूर-धर्मपुरी (36 किलोमीटर)	93	0	93
4.	मन्नारगुडी-पट्टुक्कोट्टै (41 किलोमीटर)	152	0	152
5.	तंजावूर-पट्टुक्कोट्टै (52 किलोमीटर)	196	0	196

कृष्णागिरि के रास्ते जोलारपेट्टै/तिरुपत्तूर-होसुर नई लाइन (98 किलोमीटर) के बीच अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण को स्वीकृति दे दी गई है।

धर्मपुरी के रास्ते होसुर और जोलारपेट्टै के बीच संपर्कता के लिए, मोरप्पूर-धर्मपुरी (36 किलोमीटर) नई लाइन परियोजना को स्वीकृति दे दी गई है। बहरहाल, अधिग्रहण के लिए कुल 93.26 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। अभी तक, तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा कोई भूमि नहीं सौंपी गई है।

रेल परियोजनाओं को स्वीकृति देना भारतीय रेल की एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है। रेल अवसंरचना परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमानों, अंतिम छोर संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर शुरू किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं की देनदारियों, निधियों की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है।

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इसमें प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के ऊपर कवर, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मॉडल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से होसुर रेलवे स्टेशन सहित 77 स्टेशन तमिलनाडु राज्य में स्थित हैं। तमिलनाडु राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम नीचे दिए गए हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
तमिलनाडु	77	अंबासमुद्रम, अंबत्तूर, अराक्कोणम जंक्शन, अरियालुर, आवडी, बोम्मिडी, चेंगलपट्टू जंक्शन, चेन्नै बीच, चेन्नै एग्मोर, चेन्नै पार्क, चिदंबरम, चिन्ना सेलम, क्रोमपेट, कोयम्बटूर जंक्शन, कोयम्बटूर नॉर्थ, कुन्नूर, धर्मपुरी, डॉ.एम.जी.रामाचंद्रन सेंट्रल, इरोड जंक्शन, गुडुवनचेरी, गुइंडी, गुम्मिडीपूंडी, होसुर, जोलारपेट्टई जंक्शन, कन्याकुमारी, कराइक्कुडी, करूर जंक्शन, काटपाडी, कोविलपट्टी, कुलितुरई, कुंभकोणम, लालगुडी, मदुरै जंक्शन, माम्बलम, मनापरई, मन्नारगुडी, मयिलादुथुराई जंक्शन, मेट्टुपलयम, मोरप्पुर, नागरकोइल जंक्शन, नामक्कल, पलानी, परमाकुडी, पेरम्बूर, पोदनूर जंक्शन, पोलाची, पोलुर, पुदुक्कोट्टई, राजापलायम, रामनाथपुरम, रामेश्वरम, सेलम, सामलपट्टी, शोलावंदन,

		श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुथुर, सेंट थॉमस माउंट, ताम्बरम, तेनकासी, तंजावुर जंक्शन, तिरुवरुर जंक्शन. तिरुचेंदूर, तिरुनेलवेली जंक्शन, तिरुप्पादरिप्पुलयूर, तिरुपत्तूर, तिरुप्पुर, तिरुसुलम, तिरुत्तानी, तिरुवल्लुर, तिरुवन्नामलाई, उदगमंडलम, वेल्लूर कैंट, विल्लुपुरम जंक्शन, विरुधुनगर, वृद्धाचलम जंक्शन, डिंडीगुल, तूतीकोरिन

तमिलनाडु राज्य में स्थित होसुर स्टेशन सहित 71 अमृत स्टेशनों पर विकास कार्यों के लिए निविदाएं प्रदान कर दी गई हैं और कार्य शुरू कर दिए गए हैं। होसुर स्टेशन पर, नए 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, प्रतीक्षालय, पे एंड यूज़ शौचालयों का निर्माण, मौजूदा स्टेशन भवन में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, पहुंच मार्ग, प्लेटफॉर्म शेल्टरों का विस्तार आदि कार्य शुरू किए गए हैं। अन्य परियोजनाओं में भी निष्पादन तीव्र गति से किया जा रहा है। उदाहरण के लिए:

- रामेश्वरम स्टेशन पर, बहु-कार्यात्मक परिसर और पार्सल कार्यालय से संबंधित कार्य पूरा कर लिया गया है। टर्मिनल भवन के उत्तरी छोर और सबस्टेशन के संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और टर्मिनल भवन के पूर्वी छोर, आगमन फोरकोर्ट, प्लेटफॉर्म सुधार आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- मदुरै स्टेशन पर, मल्टी-लेवल दुपहिया पार्किंग के पूर्वी छोर तथा विद्युत सबस्टेशन के संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और टर्मिनल भवन के पूर्वी छोर, मल्टी-लेवल कार पार्किंग के दोनों ओर, एयर कॉनकोर्स, पार्सल ऊपरी पैदल पुल, सबवे आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- चेन्नई एग्मोर स्टेशन पर, पार्सल भवन का संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है और दोनों ओर मल्टी-लेवल कार पार्किंग, जीआई रोड साइड टर्मिनल भवन आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- सामलपट्टि स्टेशन पर, नए मुख्य टर्मिनल भवन और मुख्य प्रवेश द्वार के परिचलन क्षेत्र के निर्माण का कार्य पूरा कर लिया गया है और द्वितीय प्रवेश द्वार के पार्किंग क्षेत्र, प्लेटफॉर्म की सतह की ऊंचाई बढ़ाने, परिसर की दीवार का निर्माण आदि का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- कारैक्कुडि स्टेशन पर प्लेटफार्म शेल्टरों का सुधार, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग क्षेत्र, नए बरामदों का निर्माण, लिफ्टों और सवारी डिब्बा संकेतन बोर्ड लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्रतीक्षालय, प्रवेश और निकास द्वारों के लिए संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और परिचलन क्षेत्र, ढके हुए पैदल मार्ग आदि से संबंधित कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- अरियालुर और मन्नारगुडी स्टेशनों पर नए प्रवेश द्वारों, प्रवेश द्वार के बरामदों का निर्माण, पहुंच मार्ग सहित परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग क्षेत्र, कॉनकोर्स क्षेत्र, बुकिंग काउंटर, प्लेटफार्म सतह, प्रतीक्षालय और प्लेटफार्म शेल्टरों से संबंधित कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

यात्री सुविधाओं का प्रावधान/उन्नयन तथा स्टेशनों का विकास जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास कार्य भी सम्मिलित है, सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के अंतर्गत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार। होसुर स्टेशन दक्षिण पश्चिम रेलवे में आता है। इस जोन के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आवंटन 961 करोड़ रुपए है।

होसुर स्टेशन दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलुरु मंडल में है और वर्तमान में, होसुर स्टेशन को दक्षिण रेलवे के सेलम मंडल में स्थानांतरित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

*****